छात्र, शिक्षक, रिसोर्स पर्सन व डीएनए क्लबों के एलएसी सदस्य लोकतक झील, मणिपुर के पास।

किया। कार्यक्रम में मणिपुर के 57 डीएनए क्लब स्कूलों के एक विद्यार्थी और एक शिक्षक प्रतिनिधि ने हिस्सा लिया। रिसोर्स पर्सन मणिपुर विश्वविद्यालय के प्रो. बी मनिहार शर्मा, मणिपुर विज्ञान शिक्षक मंच के डॉ. एच नंदीराम शर्मा, पर्यावरणविद डॉ. केएच शामुंगोउ सिंह, डीएम विज्ञान कालेज-इंफाल के पूर्व प्रिंसिपल प्रो. जी टोंबा शर्मा, मणिपुर विज्ञान व तकनीक परिषध के कार्यकारी निदेशक श्री टीएच सुरेंद्रनाथ सिंह, लोकतक विकास प्राधिकरण के वैज्ञानिक डॉ. एस श्यामजाई सिंह, सीएसआईआर-निस्ट के मुख्य वैज्ञानिक तथा निदेशक के प्रतिनिधि डॉ. बीजी उन्नी और सीएसआईआर-निस्ट सबस्टेशन इंफाल के प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. एचबी सिंह ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और विभिन्न मुद्दों जैसे जलाशय, जैव-विविधता, जल प्रदूषण, जलाशय प्रबंधन, संसाधन प्रबंधन और परिभ्रमी पक्षी समेत वन्यजीवों पर लोकतक जलाशय के पास व्याख्यान प्रदान किया। इस मौके पर डीएनए क्लबों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गयी तथा निंगथोउखोंग हाई स्कूल, मणिपुर में वास्तविक प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

(बी) मणिपुर के डीएनए क्लब स्कूलों को उपकरणों और रसायनों का वितरण

सीएसआईआर-निस्ट के इंफाल सबस्टेशन ने 4 अक्तूबर, 2012 को (i) हीरोक उच्चतर माध्यमिक स्कूल, मणिपुर को प्रयोगशाला उपकरण (ii) मणिपुर के 57 डीएनए क्लबों को शीशे के बर्तन और रसायन का वितरण किया और (iii) डीएनए क्लबों के शिक्षकों और विद्यार्थियों को खाद्य में मिलावट पर एक प्रदर्शन करके दिखाया। कार्यक्रम में मणिपुर के शिक्षा मंत्री श्री एम ओकेंड्रो सिंह, सीएसआईआर-निस्ट के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. बी जी उन्नी और मणिपुर के विधायक श्री एल नंदकुमार सिंह ने क्रमश: मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथि और अध्यक्ष के तौर पर हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि ने राज्य के विभिन्न स्कूलों में इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने के निस्ट के इंफाल सबस्टेशन के प्रयास की प्रशंसा की, क्योंकि राज्य सरकार के लिए इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराना कठिन है। प्रो. जी टोंबा सिंह ने खाद्य मिलावट पर प्रयोगशाला उपकरणों को प्रदर्शित करके दिखाया। कार्यक्रम में सभी स्थानीय सलाहकार सदस्यों, टाटा एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट के उत्तर पूर्व क्षेत्र, गुवाहाटी के परियोजना निगरानी इकाई के प्रभारी डॉ. एस के सिन्हा ने भी हिस्सा लिया।

सीएसआईआर 800 के अंतर्गत प्रशिक्षण

- सीएसआईआर-निस्ट की इटानगर शाखा में मशरूम की खेती और वर्मीकंपोस्ट के उत्पादन पर प्रशिक्षण 5 सितंबर, 2012 को नाहरलगुन की आत्म सहायक ग्रुप की चार महिला प्रतिभागियों को 'सीएसआईआर-800 कार्यक्रम' के अंतर्गत अरूणाचल प्रदेश में मशरूम की खेती को लोकप्रिय बनाने के लिए दिया गया। इस मौके पर प्रतिभागियों के बीच मशरूम स्पॉन के तीस बैग नि:शुल्क वितरित किये गये।
- गुवाहाटी के गड़चुक और रानी इलाके में मशरूम की खेती तकनीक पर प्रशिक्षण 17 व 18मई, 2012 को 'सीएसआईआर-800 कार्यक्रम' के अंतर्गत इकोकांसेप्ट के सहयोग से दिया गया। इसमें कुल 33 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया।
- सीएसआईआर-निस्ट के परिसर में मशरूम की खेती तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 6से 8जून, 2012 के दौरान 'सीएसआईआर-800 कार्यक्रम' के अंतर्गत किया गया। इस प्रशिक्षण में गुवाहाटी के बेलतला सर्वे के इकोकांसेप्ट के 3 प्रशिक्षणार्थियों ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इनको सीएसआईआर-800 कार्यक्रम के अंतर्गत एक स्पॉन उत्पादन इकाई की आपूर्ति की गयी।
- जोरहाट के कल्याणी हाई स्कूल में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण 8अगस्त, 2012 को 'सीएसआईआर-800 कार्यक्रम' के अंतर्गत डीएनए क्लब - एक प्राकृतिक संसाधन जागरूकता क्लब के सहयोग से दिया गया। इसमें 102 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।

खाने लायक मशरूम पर प्रशिक्षण

- 'जुलांग मल्टीपरपज को-आपरेटिव सोसायटी, जुली बस्ती, इटानगर' के सहयोग से मशरूम की व्यावसायिक खेती पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया और इस सोसायटी को मशरूम स्पॉन के शीतकाल में तैयारी पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों को मशरूम स्पॉन 20 बैग नि:शुल्क प्रदान किये गये। प्रशिक्षण में कुल 10 लाभार्थियों ने हिस्सा लिया।

- मेसर्स तिराप एग्री क्लीनिक, तिराप के मालिक श्री वांगयाक वांग्सु को निस्ट की इटानगर शाखा में 14 सितंबर, 2012 को मशरूम संस्कृति व मशरूम स्पॉन की तैयारी और मशरूम बैग बनाने को लेकर प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने वर्मीकंपोस्ट के उत्पादन पर भी तकनीकी मार्गदर्शन हासिल किया।
- सरूपथार, गोलाघाट के एक उद्यमी प्रोबीन राजकुंवर ने मशरूम के उत्पादन और मशरूम स्पॉन की तैयारी पर तकनीकी मार्गदर्शन हासिल किया।
- मशरूम की खेती तकनीक पर दो दिवसीय प्रशिक्षण 7 व 8जून, 2012 को संस्थान परिसर में किया गया। नगालैंड सरकार के कोहिमा स्थित एनएएसटीईसी के एक प्रशिक्षणार्थी ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।
- शिटेक मशरूम खेती सह स्पॉन उत्पादन की तकनीक पर यांकी मल्टीपरपज वेलफेयर सोसायटी, चुकिटोंग, वोखा, नगालैंड के एक प्रशिक्षणार्थी को 2 से 6जुलाई 2012 के दौरान संस्थान परिसर में प्रशिक्षित किया गया। नगालैंड सरकार के कोहिमा स्थित एनएएसटीईसी के एक प्रशिक्षणार्थी ने इस प्रशिक्षण में हिस्सा लिया।

सीएसआईआर-800 कार्यक्रम के अतर्गत प्रशिक्षण के मौखिक सत्र में डॉ. ए के बरदलै अपनी बात रखते हुए।

डीएसआईआर प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत संस्थान परिसर में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थी अपने मशरूम कांपेक्ट बैग के साथ।

* डीएसआईआर, नयी दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अंतर्गत 18सितंबर, 2012 को पश्चिम जोरहाट इलाके की 106ग्रामीण महिलाओं के लिए जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
* डीएसआईआर, नयी दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अंतर्गत 8नवंबर, 2012 को पश्चिम जोरहाट इलाके की 76ग्रामीण महिलाओं के लिए जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
* डीएसआईआर, नयी दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अंतर्गत 20 से 23 नवंबर के दौरान व 27 नवंबर, 2012 को मालौखात गांव के ग्रामीण एसएचजी के 45 प्रतिभागियों के लिए संस्थान परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
* डीएसआईआर, नयी दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अंतर्गत 4 से 8फरवरी 2013 के दौरान कुहुमजुगोनिया गांव के ग्रामीण एसएचजी के 45 प्रतिभागियों के लिए संस्थान परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
* सीएसआईआर–निस्ट में नेसिया के सहयोग से 11 प्रतिभागियों को 11 से 13 फरवरी 2013 के दौरान मशरूम और स्पॉन के उत्पादन पर प्रशिक्षण दिया गया।

नेसिया के परिसर में प्रशिक्षण का एक दृश्य।

मालौखात गांव में

- पेंशनर्स एसोसिएशन के एक परियोजना सहायक को सीएसआईआर–निस्ट में 11 फरवरी से 31 मार्च 2013 के दौरान प्रशिक्षित किया गया।
- एसडीएओ कार्यालय, बोकाखात में 31 प्रतिभागियों को 14 मार्च 2013 को प्रशिक्षण दिया गया।
- श्री अरबिंदो सोसायटी, जोरहाट के सहयोग से जुवेनाइल जेल में 10 लोगों के लिए 22 मार्च 2013 को प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

आर एंड डी सहायक गतिविधियां

मानव संसाधन विकास

मानव संसाधन किसी भी संगठन, खासकर आर एंड डी संस्थान में एक महत्वपूर्ण संपदा होती है। संस्थान के मानव संसाधन विकास शाखा ने जानकारी प्रबंधन के साथ मानव संसाधन के विकास और संस्थान के शोध एवं विकास लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित कर रखा है। इसके अलावा शाखा देश के साथ ही खासकर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्यार्थियों व शिक्षकों की जरूरतों व आकांक्षाओं की पूर्ति में भी लगी है। उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित प्रक्रियाओं, जिसमें काम में लगाना व भर्ती करना, क्षमता सुधार, प्रेरित करना व प्रशिक्षण, सिखाना व विकास शामिल है, को अपनाया गया।

एस एंड टी प्रबंधन और ढांचागत व प्रारूपित भर्ती प्रक्रिया

शोध कर्मचारीगण :

शाखा ने विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में शोध के लिए सीएसआईआर और अन्य प्रायोजन इकाइयों की फैलोशिप योजनाओं में शामिल होने के लिए न सिर्फ देश के बल्कि विदेशों के युवा प्रतिभाओं को कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चुने गये कुछ शोधकर्ता संस्थान में शामिल हुए। अभी ये डीएसटी की महिला वैज्ञानिक योजना (डब्ल्यूएसएस), सीएसआईआर, यूजीसी तथा अन्य प्रायोजन इकाइयों के सीनियर रिसर्च फैलो व जूनियर रिसर्च फैलो के अंतर्गत प्रमुख जांचकर्ता (पीआई) के तौर पर कार्य कर रहे हैं। संस्थान ने शोध गतिविधियों को बढ़ाने के लिए डीएसटी इंस्पायर फेलो, सीएसआईआर-टीडब्ल्यूएएस फेलो और डीबीटी-टीडब्ल्यूएएस पोस्टग्रेजुएट शोध फेलो और रिसर्च ट्रेनिंग फेलोशिप फार डेवलपिंग कंट्री साइंटिस्ट (आरटीएफडीसीएस) को शामिल किया है। शाखा ने समीपवर्ती कालेजों व अन्य संस्थानों के कुछ प्रवक्ताओं, शिक्षकों को उनके पीएचडी के शोध कार्य के लिए अतिथि कर्मचारी के तौर पर काम पर लगाया है। कार्य की प्रगति की निर्धारित समय पर समीक्षा की गयी और जरूरत पड़ने पर उसमें सुधार भी किया गया। साथ ही सुझाव के आधार पर फैलोशिप को समय-समय पर उन्नत या बढ़ाया गया।

वैज्ञानिक और नवीकरण शोध अकादमी

शाखा संस्थान में वैज्ञानिक और नवीकरण शोध अकादमी (एसीएसआईआर) की एक कार्यक्षम इकाई है और इसने एसीएसआईआर के गठन व ढांचागत गतिविधियों में जैसे पाठ्यक्रम तैयारी, विद्यार्थियों के पंजीयन, डाक्टरी सलाहकार कमेटी (डीएसी) के गठन, विद्यार्थियों के प्रारूप ग्रेड रिपोर्ट की तैयारी, शुल्क की वसूली आदि में सक्रियता से हिस्सा लिया। वर्ष के दौरान 8विद्यार्थियों को पीएचडी पाठ्यक्रम के लिए विभिन्न जूनियर रिसर्च फैलो कार्यक्रम के तहत भर्ती किया गया।

प्रोजेक्ट कर्मचारीगण

शाखा ने विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में युवा प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए प्रक्रियाएं शुरू की है तथा योग्यता के आधार पर वांछित विशेषज्ञता वाले काफी मेधावी उम्मीदवारों को सूचीबद्ध किया है। इन सभी को जरूरत के अनुसार बाहर से प्रायोजित और सीएसआईआर की परियोजनाओं के अंतर्गत संस्थान में या इंफाल सबस्टेशन में काम में लगाया गया। वर्ष के दौरान 64 परियोजना सहायकों और कुल 103 परियोजना सहायकों/परियोजना फेलो आदि को विभिन्न परियोजनाओं में काम पर लगाया गया। इसके अलावा पहले के वर्ष में काम में लगाये गये कुछ परियोजना सहायकों को विश्वविद्यालयों के प्रवेश परीक्षा, पाठ्यक्रम कार्य तथा शोध कार्यों की प्रगति की समीक्षा के आधार पर पीएचडी डिग्री के लिए इजाजत दी गयी।

प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान भारत सरकार की प्रशिक्षु योजना के अंतर्गत राज्य के शिक्षित युवाओं के लिए दक्षता विकास तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम को जारी रखे है। शाखा ने इंजीनियरिंग विधा में स्नातकों व डिप्लोमा धारकों के लिए प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों का संयोजन किया। वर्ष के दौरान 1 डिप्लोमा धारक अभियंता संस्थान में भर्ती हुआ। व्यापार प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ड्राट्समेन, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रानिक मैकेनिक, प्लंबर्स आदि क्षेत्रों के 13 आईटीआई प्रशिक्षित उम्मीदवारों और 2 प्रयोगशाला सहायकों को काम पर लगाया गया। इनकी प्रशिक्षण अवधि एक वर्ष से तीन वर्ष तक की थी।

विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम/परियोजना कार्य

शाखा ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और संस्थानों के चयनित विद्यार्थियों के लिए संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों के अधीनस्थ प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे गर्मी की छुट्टी में प्रशिक्षण, औद्योगिक प्रशिक्षण, वास्तविक प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था की। संस्थागत वैज्ञानिक व कैरियर की जरूरत के अनुसार इन कार्यक्रमों की प्रक्रियाएं तैयार व विकसित की गयीं। कार्यक्रम की अवधि एक माह से लेकर एक वर्ष तक की रही। वर्ष के दौरान स्नातकोत्तर स्तर तक के 160 विद्यार्थियों को संस्थान में कार्य करने की मंजूरी दी गयी। इनमें से 119 विद्यार्थियों ने वास्तव में प्रशिक्षण कार्यक्रम/परियोजना कार्य को पूरा किया।

ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए बहु-विधा प्रशिक्षण कार्यक्रम

शाखा ने संस्थान के तकनीकी ग्रुप I (1) और ग्रुप डी (गैर-तकनीकी) कर्मचारियों के लिए 21 व 22 अगस्त 2012 और 19 व 20 फरवरी 2013 को बहु-विधा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सीएसआईआर के ध्येय व मिशन के अनुरूप कार्यालय के सुचारू संचालन के लिए कर्मचारियों का ज्ञान बढ़ाना तथा विभिन्न कार्यालय उपकरणों (फैक्स, रिप्रोग्राफी, कंप्यूटर आदि) के बारे में जानकारी प्रदान करना था। इस कार्यक्रम की शुरूआत 6ठे वेतन आयोग के सुझावों के अनुरूप की गयी। सुझाव में कहा गया है कि ग्रुप डी के कर्मचारी, जो अंडर मैट्रिक हैं, को बहु-विधा प्रशिक्षण देकर एक अच्छे कार्मिक के तौर पर तैयार किया जाय, ताकि वह 1800.00 रुपये के वेतनमान के योग्य हो सके। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने वालों के वेतनमान को उन्नत करके एक निर्धारित वेतन तय किया गया। कर्मचारियों के संबंधित अधिकारियों ने 21 व 22 अगस्त को प्रश्नावली के आधार पर इन कर्मचारियों ने प्रशिक्षण के दौरान क्या सीखा, का विश्लेषण किया। कर्मचारियों को सूचकांक (छह से दस तक) दिये गये। इनमें प्रशिक्षण की शुरूआत से पहले 5 को आधार सूचकांक माना गया। दस अंकों के सूचकांक में सापेक्षिक सुधार 7.695 पाया गया, जो यह दर्शाता है कि कर्मचारियों की कार्य क्षमता में 53.9 प्रतिशत का सुधार आया।

सीएसआईआर-निस्ट के बाहर वैज्ञानिकों और अधिकारियों का प्रशिक्षण

संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण के लिए शाखा ने एचआरडीसी, सीएसआईआर और अन्य संस्थानों/संगठनों से लगातार चर्चा की। शाखा ने इन संगठनों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने में संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों की मदद भी की।

मेधावी एससी/एसटी छात्रों के लिए सीएसआईआर की नकद पुरस्कार योजना

सीएसआईआर-नयी दिल्ली ने +2/जूनियर कॉलेज स्तर पर मेधावी एससी/एसटी छात्रों को विज्ञान की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नकद पुरस्कार योजना की शुरूआत की। शाखा ने पूर्वोत्तर राज्यों की सरकारों से विद्यार्थियों को मनोनित करने के लिए चर्चा की। वर्ष 2012 में पूर्वोत्तर राज्यों के बोर्ड से दसवीं की परीक्षा पास करने वाले कुल 18एससी/एसटी विद्यार्थियों को नामित किया गया, जिनमें से 4 विद्यार्थियों ने अपने शुभचिंतकों के साथ हिस्सा लिया। विद्यार्थियों को शोध कार्यों से परिचित कराने के लिए संस्थान के विभिन्न प्रयोगशालाओं में भी ले जाया गया। विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र सहित नकद पुरस्कार 24 सितंबर 2012 को आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया।

शोध/अध्ययन और कार्यप्रणाली में सुधार को लेकर अन्य संगठनों के साथ नेटवर्क स्थापित अवार्ड/फेलोशिप के लिए नामांकन

शाखा ने प्राप्त किये गये प्रस्तावों की जांच की और वैज्ञानिकों व तकनीशियनों के कुल तीन नामांकनों को विभिन्न अवार्डों व फेलोशिप के लिए भेजा।

शोध को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों से संपर्क

विज्ञान के अग्रणी क्षेत्रों में मूलभूत शोध को बढ़ावा देने के लिए शाखा ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न शोध संस्थानों और विश्वविद्यालयों से सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किया। संस्थान भी क्षेत्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों के अधिकृत शोध संस्थानों में से एक है और शाखा ने पीएचडी पंजीयन, पाठ्यक्रम कार्य, ग्रेडिंग आदि के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों से निरंतर संपर्क किया। इस अवधि के दौरान डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय और गौहाटी विश्वविद्यालय ने 12 शोधकर्ताओं को पीएचडी की डिग्रियां प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग

वैज्ञानिकों की व्यावसायिक अदला-बदली विचारों के संवर्द्धन का एक महत्वपूर्ण जरिया है, जिससे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय शोध परियोजनाओं को तैयार करने में मदद मिलती है। शाखा ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रस्तावों की बारीकी से जांच की गयी और वैज्ञानिकों व तकनीशियनों को देश के बाहर भेजने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ चर्चा की गयी। शाखा ने इसके लिए आईएसटीएडी, सीएसआईआर से भी चर्चा की। इस प्रक्रिया के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों के विदेश दौरों की मासिक समीक्षा की गयी। वर्ष के दौरान वैज्ञानिकों को विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए मलेशिया, चीन, वियतनाम, चेक गणराज्य, जापान, थाइलैंड और स्पेन जैसे देशों की यात्रा के लिए नामित किया गया।

सामाजिक व रणनीतिक विकास

पूर्वोत्तर क्षेत्र के कॉलेजों को एस एंड टी की ढांचागत सहायता

भारत सरकार के विज्ञान एवं तकनीक विभाग ने एक सकारात्म कदम के तहत कॉलेज स्तर पर विज्ञान एवं तकनीक की पढ़ाई और शोध को सुदृढ़ करने को लेकर पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एक विशेष पैकेज की घोषणा की। इसका उद्देश्य देश में ढांचागत सुविधाओं को विकसित करना, विज्ञान व तकनीक की पढ़ाई को सुदृढ़ करना, कॉलेजों को विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में अच्छे मानव संसाधन के श्रोत तथा राष्ट्रीय बौद्धिक

संपदा के तौर पर तैयार करना है। इससे देश के साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में आर्थिक सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सीएसआईआर-निस्ट इसके लिए केंद्रीय एजेंसी के तौर पर काम कर रहा है। शाखा को पूर्वोत्तर क्षेत्र के 10 विश्वविद्यालयों से संबद्ध 58कॉलेजों में इस परियोजना को क्रियान्वित करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है। चूंकि इस परियोजना का दायरा (कुल परियोजना कार्य का 40 प्रतिशत) बहुत बड़ा है, इस वर्ष शिक्षण प्रयोगशाला उपकरणों की आपूर्ति व स्थापना की गयी। इस दौरान कालेजों को 870.00 लाख रुपये मूल्य के उपकरणों की आपूर्ति वेंडर द्वारा की गयी।

अन्य गतिविधियां

शोध परिषद

संस्थान के शोध परिषद (आरसी) की विभिन्न गतिविधियां शाखा ने की। वर्ष के दौरान आरसी की 44वीं बैठक की अनुमोदित कार्यविवरणी को सीएसआईआर मुख्यालय को भेजी गयी। साथ ही सुझावों के अनुसार उठाये जाने वाले कदमों की जानकारी आगे की कार्रवाई के लिए संस्थान की विभिन्न इकाईयों को भेजी गयी। आरसी की 45वीं बैठक 15 से 17 नवंबर, 2012 के दौरान सीएसआईआर-निस्ट, जोरहाटा और सबस्टेशन, इंफाल में तथा 46वीं बैठक 14 व 15 मार्च, 2013 को सीएसआईआर-निस्ट में हुई।

संयुक्त प्रशासनिक सेवा परीक्षा, 2013

सीएसआईआर, नयी दिल्ली के मानव संसाधन विकास ग्रुप के संयुक्त प्रशासनिक प्रवेश परीक्षा 2013 के आयोजन की गतिविधियों का संचालन शाखा ने किया। जोरहाट 1 (आर्ट्स ब्लाक) और जोरहाट 2 (विज्ञान ब्लाक) केंद्र के लिए यह परीक्षा जेबी कालेज, जोरहाट में हुई। परीक्षा के लिए कुल 766आवेदकों ने पंजीयन कराया था, जिसमें से 189 आवेदकों ने परीक्षा दी।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, 2012

सीएसआईआर-निस्ट में 14 सितंबर 2012 को आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के लिए केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों के अभिविन्यास कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों का संचालन किया। ऊपरी असम के केंद्रीय विद्यालयों के प्रिंसिपलों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

क्षेत्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस, 2012

शाखा ने 5 नवंबर 2012 को आयोजित क्षेत्रीय स्तर के बाल विज्ञान कांग्रेस-2012 के विद्यार्थियों की परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए 10 वैज्ञानिकों को परियोजना मूल्यांकर के रूप में नामित करने का संचालन किया। बाल विज्ञान कांग्रेस के आयोजन के लिए सैद्धांतिक प्रबंध भी किया गया।

आंकड़ा प्रबंधन

शाखा संस्थान के मानव संसाधनों के विभिन्न आंकड़े रखता है। इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है। इनमें से कुछ आंकड़े वैज्ञानिकों के विदेश दौरे, शोध कार्यकर्ता, पीएचडी प्राप्त करने वाले, मानव संसाधन, प्रशिक्षु प्रशिक्षणार्थी आदि हैं। रिपोर्टों को जरूरत के अनुसार देश के विभिन्न संगठनों जैसे भारत सरकार का एसटी आयोग, संसद सचिवालय-नयी दिल्ली आदि को भेजा जाता है।

शाखा ने ग्रुप IV वैज्ञानिकों की सूचना को आरएबी, सीएसआईआर को प्रत्येक छ:ह माह के अंतराल पर और वैज्ञानिकों के विदेश दौरे की जानकारी को मासिक आधार पर आईएसटीएडी, सीएसआईआर के पास भेजा है।

सूचना अधिकार कानून, 2005

सीएसआईआर, नयी दिल्ली के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थान होने के कारण संस्थान सूचना अधिकार कानून, 2005 के दायरे में आता है। शाखा इस कानून के अंतर्गत नागरिकों को संस्थान के बारे में निर्धारित समय में जानकारी उपलब्ध कराता है। त्रैमासिक रिपोर्ट संस्थान के वेबसाइट पर अपलोड की गयी और वेब आधारित रिपोर्ट केंद्रीय सूचना आयुक्त, नयी दिल्ली को भेजी गयी।

ढांचागत प्रबंधन

शाखा ने संस्थान के लड़कों और लड़कियों के हॉस्टलों, आवर्त भवन और आवर्त भवन से संलग्न इकाइयों की विभिन्न गतिविधियों को संचालित किया। आवर्त भवन के वर्तमान ढांचे में तीन नये वीआईपी कमरों के साथ ही लांज, रसोई घर और भोजन के लिए जगह को बढ़ाकर उन्नत किया गया। इन कमरों का उद्घाटन सीएसआईआर के डीजी तथा डीएसआईआर के सचिव प्रो. समीर के ब्रह्मचारी ने 26दिसंबर 2012 को किया।

सूचना एवं वाणिज्यिक विकास

सूचना एवं व्यवसाय विकास शाखा सदा की तरह बाहरी दुनिया के लिए संस्थान की खिड़की बनी हुई है और शाखा ने संस्थान की व्यवसाय विकास गतिविधियों में समन्वय स्थापित किया। शाखा ने सार्वजनिक व औद्योगिक घरानों, उद्यमियों, जिन्हें प्रयोगशाला की मदद की जरूरत है, को विभिन्न तरीकों से संस्थान की विशेषज्ञता व क्षमता की जानकारी उपलब्ध कराकर संपर्क गतिविधियों को बरकरार रखा। ताकि

ग्राहकों, उपभोक्ताओं और इस्तेमाल करने वालों का आर्थिक और सामाजिक विकास हो सके। वर्ष के दौरान संस्थान 50 वर्षों के स्वर्णिम सफर पूरे करने के बाद विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह मना रहा था, जो साल भर चला। इसके परिणामस्वरूप स्वर्ण जयंती समारोह के सिलसिले में प्रकाशन, प्रचार, आपसी मेल-जोल, प्रदर्शनी, सेमिनार, बैठकों आदि आयोजन के अतिरिक्त कार्य को भी शाखा को देखना पड़ा।

प्रदर्शनियों में हिस्सा

सूचना एवं प्रसारण शाखा ने वर्ष के दौरान सीएसआईआर-निस्ट प्रदर्शनी स्टाल का आयोजन किया और विभिन्न मौकों पर निम्नलिखित प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया।

1. 22 से 24 फरवरी 2013 के दौरान मणिराम देवान ट्रेड सेंटर में आयोजित पूर्वोत्तर क्षेत्र के सड़क और परिवहन सम्मेलन (कोर्टने 2013) में।
2. असम कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 6नवंबर 2012 को तिताबर कृषि शोध केंद्र में आयोजित किसान दिवस प्रदर्शनी में।
3. सीएसआईआर के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर नयी दिल्ली में 26सितंबर 2012 को आयोजित समारोह की प्रदर्शनी में।
4. मीडिया टुडे प्रा. लि. द्वारा 25 से 27 अगस्त 2012 के दौरान पैलेस ग्राउंड, गायत्री विहार, बेंगलुरू में आयोजित एग्री टेक इंडिया 2012 में।
5. केरल के मरीन ड्राइव, कोच्चि में 12 से 16अगस्त 2012 को दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कायर टेक एक्सपो 2012 में।
6. यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नालॉजी, मेघालय और सीएसआईआर-निस्ट द्वारा संयुक्त रूप से यूएसटीएम परिसर में 29 व 30 मई 2012 को आयोजित पूर्वोत्तर स्नातकोत्तर कांग्रेस, 2012 को विज्ञान व तकनीक प्रदर्शनी में।
7. बिस्तराम बरूवा सभागार में दिसंबर 2012 में आयोजित ग्रामीण विकास व औद्योगिक प्रदर्शनी में।

प्रकाशन

इस अवधि के दौरान शाखा ने विभिन्न मौकों पर निम्नलिखित नियमित और जरूरत के अनुसार प्रकाशनों को प्रकाशित किया।

वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 - संस्थान के पहले पूर्ण द्विभाषी वार्षिक रिपोर्ट को प्रकाशित किया गया और इसे 24 सितंबर 2012 को आयोजित सीएसआईआर के 70वें स्थापना दिवस समारोह में जारी किया गया।

उपलब्धियां 2012-13 - संस्थान के उपलब्धियां 2012-13 (जो संस्थान की गतिविधियों का संकलन है) को प्रकाशित किया गया और इसे 18मार्च 2013 को आयोजित सीएसआईआर-निस्ट के स्थापना दिवस समारोह में जारी किया गया।

निस्ट न्यूज (द्विभाषी तथा द्विमासिक हिंदी-अंग्रेजी पत्रिका)

इंफोवाच (संस्थान का साप्ताहिक)

सक्षम वैज्ञानिक लेखन - इस पुस्तक का संपादन सीएसआईआर-निस्ट के आई एंड बीडी शाखा की कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रीमती प्रमिला मजुमदार और वैज्ञानिक संचारकर्ता व सीएसआईआर-एनआईएससीएआईआर, नयी दिल्ली के पूर्व वैज्ञानिक श्री बिमान बसु ने संयुक्त रूप से किया है। इस पुस्तक को प्रो. वानी ब्रह्मचारी ने 26दिसंबर 2012 को आयोजित 'आगे देखो कार्यक्रम' के दौरान जारी किया।

मणिपुर में सीएसआईआर-निस्ट - प्रचार पुस्तिका

गठिया रोधी - गठिया रोग के जड़ी-बूटीय समिश्रण से संबंधित प्रचार पुस्तिका।

फुंगी डेस्ट्रक्ट - फंफूद रोग के उपचार से संबंधित प्रचार पुस्तिका।

सीएसआईआर-निस्ट वहन योग्य स्वास्थ्य सेवा - फुंगी डेस्ट्रक्ट प्रचार पुस्तिका।

पेटेंट के लिए आवेदन

शाखा भारत एवं विदेश में संस्थान के पेटेंट आवेदनों को प्रसंस्कृत करने के लिए जिम्मेवार है और इसके लिए लगातार आईपीएमडी, सीएसआईआर, नयी दिल्ली से संपर्क बनाये हुए है।

नयी परियोजनाओं के लिए प्रक्रिया

शाखा नये परियोजनाओं के प्रस्तावों के प्रसंस्करण के लिए जिम्मेवार है। इस संदर्भ में प्राप्त किये गये प्रस्तावों को जांच के लिए संबंधित कमेटी के पास भेजा जाता है।

तकनीक का हस्तांतरण

शाखा सीएसआईआर-निस्ट द्वारा विकसित तकनीकों के व्यवसायीकरण के लिए जिम्मेवार है। शाखा तकनीक/जानकारी के हस्तांतरण से संबंधित समझौते के मसौदे को तैयार करने और उद्यमियों व संस्थान के बीच की दूरी को पाटने के लिए भी जिम्मेवार है। शाखा जानकारी पैकेज का प्रदर्शन भी विभिन्न पक्षों के सामने करता है।

जांच व विश्लेषण

शाखा संस्थान में जांच व विश्लेषण के लिए भेजे गये नमूनों का प्रसंस्करण भी करता है। इन नमूनों को संबंधित इकाई के पास भेजा जाता है और विश्लेषण के पूरी होने के बाद रिपोर्टों को शाखा संबंधित पक्ष के पास भेजता है।

सहमति पत्र/समझौता

तकनीक/जानकारी के हस्तांतरण के सहमति पत्र के अलावा विभिन्न उद्देश्यों के लिए विभिन्न संगठनों/विश्वविद्यालयों के साथ निम्नलिखित समझौतों पर भी हस्ताक्षर किये गये।

- शोध संस्थान व उद्योग के बीच साझा शोध कार्य के लिए 13.08.2012 को मेसर्स नार्थ ईस्ट बायोवेंचर्स प्रा. लि. के साथ।
- हाट एयर ओवेन, बीओडी इनकूबेटर, लेमिनर एयर फ्लो, आटोक्लेव, मशरूम ड्राइंग केबिनेट, रेफ्रीजरेटर, वाटर स्टिल (डिस्टीलेशन यूनिट) और हीटिंग मेंटल को प्रदान करने के लिए एक निजी गैर सरकारी संगठन इको कांसेप्ट, मुख्यालय : बेलतोला, सर्वे अंजता पथ, पहला बाईलेन, हाउस नं. 20, गुवाहाटी के साथ 06.09.2012 को।
- एक योग्य चमड़ा तकनीशियन और वैज्ञानिक व औद्योगित शोध विभाग, उद्यमिता संवर्द्धन कार्यक्रम के उद्यमी श्री टोनी एम जान के साथ 13.09.2012 को वैश्विक इको लेवल की तुलना में एनईआर-इंडिया हाइड्स वेंचमार्कड के गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए क्लीन टेक्नालाजी को तैयार करने, विकसित करने और इसके एकीकरण के लिए। टानी एम जान भारत सरकार के डीएसटी, पिक्सेल पार्क ए, पीईएस स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स सिटी, बेंगलोर द्वारा प्रायोजित ईहेल्थ टेक्नालाजी बिजनेस इनकूबेटर में कार्यरत हैं।
- हाट एयर ओवेन, बीओडी इनकूबेटर, लेमिनर एयर फ्लो, आटोक्लेव, मशरूम ड्राइंग केबिनेट, रेफ्रीजरेटर, वाटर स्टिल (डिस्टीलेशन यूनिट) और हीटिंग मेंटल को प्रदान करने के लिए डिस्ट्रिक्ट मल्टीपरपज डेवलपमेंट एंड इनफार्मेशन सेंटर, नाहरकटिया, डिब्रुगढ़, असम के साथ 10.10.2012 को।
- आईपी खोज और विश्लेषण सेवाओं के लिए सीएसआईआर-यूआरडीआईपी (सूचना उत्पादों के शोध और विकास के लिए एक इकाई), 85/1, पांड रोड, कोथ्रुड, पुणे के साथ 17/10/2012 को।
- साझा कार्यों के लिए असम काजीरंगा विश्वविद्यालय के साथ 21/11/2012 को।
- साझा कार्यों के लिए आचार्य नागार्जुना विश्वविद्यालय, नागार्जुना नगर, गुंटुर, आध्रप्रदेश के साथ नवंबर 2012 में।
- गठिया-रोधी के विपणन के लिए मेसर्स सारदा क्लीनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 550, ब्लॉक 'एन', न्यू अलीपुर, कोलकाता के साथ 03.12.12 को।
- साझा कार्यों के लिए द साइंस फाउंडेशन फार ट्राइबल एंड रूरल रिसोर्स डेवलपमेंट, भुवनेश्वर के साथ 3.9.12 को।
- साझा कार्यों के लिए फेडरेशन आफ इंडस्ट्री एंड कामर्स आफ नार्थ ईस्ट रीजन (फिनर) के साथ।
- 'तकनीकों के प्राथमिकता के आधार पर प्रदर्शन और कोल्ड बोन्बेड आयरन ओर पेलेट्स तकनीक के व्यवसायीकरण' को लेकर मेसर्स कोल्ड पेलेट टेक्नालाजिज, कोलकाता कंसलटेंसी के साथ 13.12.12 को।
- 'त्रिपुरा राज्य जांच प्रयोगशाला' के संचालन में सहायता सेवाओं के लिए त्रिपुरा सरकार के लोक निर्माण विभाग के साथ 14.12.12 को।
- साझा कार्यों के लिए नगालैंड विश्वविद्यालय, मुख्यालय लुमामी, नगालैंड के साथ 26.12.12 को।
- साझा कार्यों के लिए इंडियन स्कूल आफ माइन्स, धनबाद के साथ 24.12.12 को।
- गठिया रोधी के विपणन के लिए मेसर्स सूरज ट्रेडिंग कंपनी, हाउस नं. 140, सेक्टर नं. 4, एक्सटेंशन मार्बल इनक्लेब, ट्रिकुटा नगर, जम्मू के साथ 27.12.12 को।
- पौधों व सिंथेटिक श्रोत से जैव सक्रिय तत्व/अणुओं की खोज को लेकर द साइंस फाउंडेशन फार ट्राइबल एंड रूरल रिसोर्स डेवलपमेंट, भुवनेश्वर के साथ 28.12.12 को।
- सीएसआईआर-निस्ट द्वारा उपलब्ध कराये गये पौधा तत्व के मच्छरों की गतिविधि पर परीक्षण के लिए सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद के साथ 16.1.2013 को।
- 'विभिन्न प्रकार के कैंसर पर महानीन के कैंसर रोधी प्रभाव और इसके कार्य करने की प्रणाली' पर साझा कार्यों के लिए जार्जटाउन विश्वविद्यालय, 37वें व 0 स्ट्रीट्स, एन.डब्ल्यू वाशिंगटन डीसी. के साथ 11.2.2013 को।
- गठिया रोधी के विपणन के लिए जेआरएल इंप्लाइज कंज्यूमर्स कोआपरेटिव स्टोर्स के साथ 21.3.13 को।
- फुंगी डेस्ट्रक्ट के विपणन के लिए जेआरएल इंप्लाइज कंज्यूमर्स कोआपरेटिव स्टोर्स के साथ 21.3.13 को।
- 'हेलोपेल्टिस थीवोरा के जैव-पारिस्थितिकी अध्ययन और इसके प्रभाव के कार्यक्षम प्रबंधन के लिए एक पूर्वानुमान घोषित करने की प्रणाली विकसित करने' की परियोजना को लेकर डीबीटी, विज्ञान व तकनीक मंत्रालय, नयी दिल्ली के साथ।
- 'स्टाफीलोकोसी के माइक्रोबियन पैथोजेन विविधता की जांच और गुणों का पता लगाने तथा इसका जल्दी पता लगाने के लिए

चिकित्सकीय जांच विकसित करने' को लेकर डीबीटी, विज्ञान व तकनीक मंत्रालय, नयी दिल्ली के साथ।

'डीएनए फिंगरप्रिंटिंग ऑफ इंडोफाइटिक एक्टीनोमाइसेटेस आइसोलेटेड फ्राम प्रोटेक्टेड फोरेस्ट एरियाज आफ असम एंड मिजोरम' को लेकर डीबीटी, विज्ञान व तकनीक मंत्रालय, नयी दिल्ली के साथ।

'कई रोगों के प्रभाव को रोकने वाले इसचेरिचिया कोली के खिलाफ औषधीय पौधों से प्राप्त जैवसक्रिय मिश्रण की पहचान' परियोजना को लेकर डीबीटी, विज्ञान व तकनीक मंत्रालय, नयी दिल्ली के साथ।

सूचना और संचार तकनीक

वर्ष 2012-13 के दौरान सूचना और संचार तकनीक (आईसीटी) प्रभाग ने संस्थान को लगातार आईटी सहायता और सेवाएं प्रदान की और पूरे संस्थान में हाई स्पीड इंटरनेट की सेवा को भी प्रदान कर रहा है। तीन नये साइटों यानि प्राकृतिक उत्पाद रसायन (नया ब्लाक), एप्लाइड माइक्रोबायोलाजी, दवा उत्पादन इकाई, प्रमुख वैज्ञानिकों के आवास और एफसीसी भवन को भी ओएफसी लिंक के साथ जोड़ा गया।

पिछले कुछ वर्षो में संस्थान के लोकल एरिया नेटवर्क में भारी वृद्धि और एनकेएन परियोजना के तहत हाई स्पीड बैंडवाइड्थ के क्रियान्वयन के चलते प्रभाग ने नेटवर्क के प्रदर्शन में सुधार को लेकर आरसी बैठक में एक अत्याधुनिक वर्चुअल एलएएन (वीएलएएन) रणनीति को तैयार करके इसे शुरू करने का प्रस्ताव किया। साथ ही बाहरी और भीतरी खतरों से बचने के लिए 7 (सात) फायरवाल्स और एक लिंक बैलेंसर की क्लस्टर तकनीक की शुरूआत करने का भी प्रस्ताव दिया है। काफी प्रयास के बाद इस योजना का सुफल हाल ही में यानि 2013-14 में मिला है। ट्रैफिक पर निगरानी के लिए लेन को विभिन्न वर्गों में अलग करने की रणनीति शुरू की गयी और लेन में डाटा फ्लो को नियंत्रित करने पर प्रशासनिक नियंत्रण को लागू किया गया। इससे संस्थान में त्रुटिरहित सेवाएं आसानी से चलाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा विभिन्न आईएसपी से बैंडवाइड्थ के सक्षम प्रबंधन के लिए एक लिंक बैलेंसर की शुरूआत की गयी, जो बैंडवाइड्थ के अधिकतम उपयोग के लिए आईएसपी के बीच बैंडवाइड्थ को मैनेज करता है।

ईआरपी परियोजना में 5 (पांच) सर्वरों की क्लस्टरिंग और एसएएन स्टोरेज को पूरा किया गया। डाटा को शामिल करने की कार्रवाई में तेजी के लिए एक नये आईपी सेगमेंट की शुरूआत की गयी। प्रभाग ने सीएसआईआर आईटी नोडल आफिसरों के वार्षिक सम्मेलन में और सीएसआईआर-एसईआरसी में आयोजित कार्यशाला में भी हिस्सा लिया तथा संस्थान में ईआरपी को लागू करते समय आने वाले तकनीकी मुद्दों को उठाया। प्रभाग ने आईआईटी-मुंबई में आयोजित वार्षिक एनकेएन कार्यशाला में भी हिस्सा लिया।

प्रभाग ने वर्ष के दौरान सीसीटीवी नेटवर्क और वेबकास्टिंग के जरिए कुछ आयोजनों की एक साथ प्रसारण की व्यवस्था की और वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए 15 बैठकों का संचालन किया। इंटरनेट और संस्थान के वेबसाइट को नियमित रूप से अपडेट करने के साथ ही प्रभाग ने सिक्किम मनिपाल विश्वविद्यालय और जेबी कालेज, जोरहाट के दो अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों को वेव पर आधारित एप्लीकेशन का ग्रीमकालीन/शीतकालीन प्रशिक्षण भी दिया।

सूचना संसाधन केंद्र

सूचना संसाधन केंद्र(केआरसी) ने आर एंड डी शाखाओं, रिसर्च फैलो, बाहर के छात्रों व पूर्वोत्तर क्षेत्र के विश्वविद्यालय के लोगों के साथ ही अन्य आर एंड डी व औद्योगिक संस्थानों रेन फोरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट-जोरहाट, तेजपुर विश्वविद्यालय, डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय, गौहाटी विश्वविद्यालय, असम विश्वविद्यालय, असम इंजीनियरिंग कॉलेज, जोरहाट इंजीनियरिंग कॉलेज आदि को पुस्तकालय और सूचना सेवाओं को प्रदान करना जारी रखा है। केआरसी निस्ट शाखा प्रयोगशाला, इटानगर, अरूणाचल प्रदेश और निस्ट सब स्टेशन, इंफाल, मणिपुर को भी सेवाएं देता है। केआरसी ने वर्ष के दौरान अपने संग्रह में 57 पुस्तकों को शामिल किया। साथ ही 28विदेशी और 62 भारतीय पत्रिकाओं को भी मंगवाया, जिनमें 20 इलेक्ट्रानिक रूप में थे। इस अवधि के दौरान केआरसी ने विभिन्न आर एंड डी तथा शैक्षणिक संस्थानों के वार्षिक रिपोर्टों के साथ ही अन्य रिपोर्टों का भी संग्रह किया।

केआरसी प्रकाशनों और पेपरों की प्रस्तुतियों के आंकड़े भी रखता है, जिनके आधार पर प्रबंधन की जरूरत के अनुसार विभिन्न रिपोर्ट प्रकाशित किये जाते हैं और संस्थान के प्रकाशनों का बिबलियोमेट्रिक विश्लेषण किया जाता है। निस्ट, जोरहाट के पीएचडी थीसिस के आंकड़े का भी अद्यतन किया गया है। बाहरी लोगों को भी जरूरत के अनुसार संदर्भ सेवाएं दी जाती हैं।

केआरसी के पुर्नआलेखी शाखा ने वर्ष के दौरान कागजातों के 3,299 पृष्ठों की प्रतिलिपियां बनायी और बाहरी लोगों को सेवाएं देकर 3,027 रुपये की आय की। अवधि के दौरान बाहरी संस्थानों, लोगों और छात्रों से पुस्तकालय ने सदस्यता शुल्क के तौर पर 2,220 रुपये की आय की। केआरसी की आनलाइन पहुंच संस्थागत आईपी एड्रेस के जरिए एससीओपीयूएस आंकड़ें तक है। डीबीटी के ई-संसाधन निकाय-नयी दिल्ली, सीएसआईआर ई-पत्रिका निकाय (एनकेआरसी, एनआईएससीएआईआर) के जरिए निस्ट की ई-पहुंच इलसेवियर विज्ञान, जॉन विली, ओयूपी, सीयूपी, ब्लैकवेल, स्प्रिंगर, टेलर एंड फ्रांसिस आदि की कई प्रमुख पत्रिकाओं तक है। इसके अलावा वर्ष के दौरान एनकेआरसी के जरिए संस्थान की ई-पहुंच स्कीफाइंडर तक की जा रही है।

योजना

योजना इकाई की प्रमुख गतिविधियां संसाधन (बजट, मानव संसाधन व अन्य) के क्षेत्र में शोध व विकास प्रबंधन, योजना व आवंटन, शोध एवं विकास परियोजनाओं और इसके नतीजे का मूल्यांकन है। शोध की उपयोगिता के लिए संस्थान के सीमित संसाधनों का उचित प्रबंधन भी इकाई का एक महत्वपूर्ण कार्य है। इकाई सीएसआईआर के ध्येय और राष्ट्रीय मिशन के अनुरूप शोध एवं विकास के क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करते हुए परियोजनाओं के साथ ही प्रयोगशाला के वार्षिक प्रदर्शन लक्ष्य को निर्धारित करता है। इकाई पंचवर्षीय योजना (एफवाईपी) को तैयार करने, वार्षिक योजनाओं और इसके क्रियान्वयन, मासिक व त्रैमासिक प्रदर्शन की जानकारी देने तथा प्रयोगशाला के विकास कार्यों के क्षेत्र में सीएसआईआर मुख्यालय और प्रयोगशाला के बीच संपर्क सूत्र के तौर पर कार्य करता है। उपरोक्त गतिविधियों के अलावा विभिन्न अनुदान परियोजनाओं के जरिए इकाई विज्ञान की जानकारी प्रदान करने के कार्यक्रमों से भी जुड़ी है। वर्ष 2012-13 के इन कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है -

1 इकाई ने बारहवीं एफवाईपी (2012-17) और वार्षिक योजना 2013-14 को तैयार किया। इसमें संस्थान, सुविधाओं को मुहैया कराना, नेटवर्क, एनएमआईटीएलआई, भविष्य की शोध के स्वरूप और बदलते वैश्विक परिदृश्य में क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए घरेलु परियोजनाएं, जो पूर्वोत्तर के औद्योगिक और आर्थिक विकास में सहायक हो, को भी शामिल किया गया।

2 ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) को पूरी किये जाने का प्रतिवेदन भी तैयार किया गया। इनमें ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान संस्थान की विभिन्न परियोजनाओं के लक्ष्य के साथ ही उपलब्धियों को भी दर्शाया गया। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कुल 13 घरेलू/गैर-नेटवर्क परियोजनाएं, 10 नेटवर्क परियोजनाएं, एक सुविधा उपलब्ध कराने की परियोजना, एक संस्थागत परियोजना, एक मुख्यालय के समन्वय से चलायी जाने वाली परियोजना (एचसीपी) और 2 एनएमआईटीएलआई परियोजनाएं थीं।

3 परियोजनाओं के उचित क्रियान्वयन के लिए सीएसआईआर-निस्ट के वर्ष 2012-13 के संशोधित बजट अनुमानों, वर्ष 2013-14 के बजट अनुमानों और इकाई के आधार पर उपकरणों की सूची और इसकी स्थिति पर भी कागजात को तैयार किया गया।

4 उपलब्धियों को दर्शाने और सीएसआईआर मुख्यालय की जरूरत के अनुसार सीएसआईआर-निस्ट और इसके कर्मचारी सदस्यों को मिले पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र की तालिका तैयार की गयी।

5 संस्थान के भीतर, अनुदान, प्रायोजित और सलाहकार परियोजनाओं में नियुक्त मानव संसाधनों और उनके द्वारा इस्तेमाल किये गये संसाधनों के प्रभाव का विश्लेषण भी इकाई ने किया। बेहतर शोध एवं विकास प्रबंधन के लिए विभिन्न चरणों में संसाधनों की जरूरत और इसकी उपयोगिता की समीक्षा की गयी तथा इसमें सुधार के लिए कदम उठाये गये। प्रबंधन के लिए 'विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत मानव का मासिक वितरण', 'सीएसआईआर-निस्ट की मानव संसाधन नीति' और 'सीएसआईआर-निस्ट का मानव संसाधन प्रोफाइल' भी तैयार किया गया।

6 सीएसआईआर-निस्ट का मानव संसाधन पोर्टल, जिसमें कर्मचारियों की नयी नियुक्तियां/अन्य प्रयोगशालाओं से स्थानांतरण और सेवानिवृति से छूट/स्वर्गवास/तबादला आदि भी शामिल है, को तैयार किया गया।

7 संस्थान की मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट को तैयार किया गया, जिसमें समय-समय पर पेश किये गये पेपर, पेटेंट, तकनीकों का विकास, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों को मिले पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र को भी समाहित किया गया। इन रिपोर्टों से संस्थान की छवि सुधारने और संस्थान के विकास पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

8 इकाई ने 6व 7 नवंबर, 2012 को 'पूर्वोत्तर राज्यों में कायर तकनीकों को लोकप्रिय करने' पर एक सेमिनार का आयोजन किया।

9. इकाई ने 24 सितंबर, 2012 को सीएसआईआर के स्थापना दिवस समारोह को आयोजित करने में सहयोग किया और सीएसआईआर-निस्ट के कर्मचारियों और उनके बच्चों के बीच विज्ञान के विषयों पर एक कहानी एवं क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया।

10. सीएसआईआर@80 के प्रदर्शन लक्ष्य के अनुसार सीएसआईआर ने 12वीं एफवाईपी के दौरान अफ्रीका और एशिया के अन्य देशों के साथ सीएसआईआर कैंपस के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क पर ज्यादा जोर दिया। सीएसआईआर-निस्ट के 12वीं एफवाईपी लक्ष्य के अनुसार थाईलैंड और श्रीलंका में सीएसआईआर-निस्ट का कैंपस स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया। सूचना एवं व्यवसाय विकास इलाई के साथ योजना इकाई ने इस दिशा में कदम उठाया और थाईलैंड में सीएसआईआर-निस्ट का एक पहुंच केंद्र स्थापित करने की संभावनीयता तथा सहयोग के अन्य क्षेत्रों का पता लगाने के उद्देश्य से वर्ष के दौरान थाईलैंड का दौरा किया।

परियोजना निगरानी और मूल्यांकन

परियोजना निगरानी और मूल्यांकन (पीएमई) प्रकोष्ठ संस्थान की नेटवर्क परियोजनाओं के साथ-साथ बाहर से प्रायोजित शोध एवं विकास परियोजनाओं से संबद्ध है ।बाहरी एजेंसियों के निधियन से संस्थान ने कांट्रेक्ट आर एंड डी जैसे प्रायोजित, साझा और अनुदान परियोजनाएं और सलाहकार परियोजनाओं को किया। नेटवर्क परियोजनाओं (बीएससी, सीएससी, ईएससी, आईएससी, औएससी, पीएससी आदि), अन्य प्रयोगशाला परियोजनाएं (ओएलपी), मुख्यालय नियंत्रित परियोजनाएं (एचसीपी) और तकनीक नेतृत्व परियोजनाओं को सीएसआईआर